कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल

बी0ए0 तृतीय वर्ष (हिंदी) का नवीन पाठ्यक्रम
(सत्र 2014–2015 से प्रभावी)

नोट : सत्र 2014–2015 से स्नातक तृतीय वर्ष के हिंदी साहित्य विषय में पचहत्तर–पचहत्तर अंकों के दो प्रश्नपत्र पढ़ाए जाएँगे, जिनके शीर्षक होंगे : प्रथम प्रश्नपत्र– प्रयोजनमूलक हिंदी, तथा द्वितीय प्रश्नपत्र – (क) जनपदीय भाषा साहित्य अथवा (ख) उत्तरांचल का हिंदी साहित्य।

प्रथम प्रश्नपत्र **प्रयोजनमूलक हिंदी** **पूर्णांक : 75**

पाठ्यविषय :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी का अभिप्राय।

2. कामकाजी हिंदी

(क) पत्राचार : कार्यालयी पत्र, व्यावसायिक पत्र। संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण, टिप्पणी।

(ख) भाषा कम्प्यूटिंग – वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग और फॉण्ट प्रबंधन।

(ग) संपादनकला– प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, फीचर लेखन, पृष्ठसज्जा एवं प्रस्तुतीकरण।

(घ) मीडिया लेखन– संचार भाषा का स्वरूप और वर्तमान संचार व्यवस्था।

(ङ) प्रमुख जनसंचार माध्यम– प्रेस, रेडियो, टीवी, फिल्म, वीडियो और इंटरनेट। माध्यमोपयोगी लेखन–प्रविधि।

(च) मुहावरे तथा कहावतें।

अंक विभाजन : अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा –

तीन आलोचनात्मक प्रश्न –	3 x 10 = 30
छः लघूत्तरी प्रश्न –	6 x 5 = 30
पन्द्रह अतिलघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	15 x 1 = 15

संदर्भ ग्रंथ : 1 हिंदी कार्मिकी (प्रयोजनमूलक हिंदी)– डॉ0 शंकर क्षेम एवं डॉ0 कंचन शर्मा, प्रकाश बुक डिपो, बरेली, 2. प्रयोजनमूलक हिंदी– विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली, 3. प्रयोजनमूलक हिंदीः सिद्धांत और प्रयोग– दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन 4.

प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिंदी– डॉ0 रमा प्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन दरियागंज, नई दिल्ली 5. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन– डॉ0 भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन 6. कामकाजी हिंदी– डॉ0 कैलाशचंद्र भाटिया, दिल्ली, 7. व्यावहारिक लेखन–डॉ0 देवसिंह पोखरिया, तक्षशिला, प्रकाशन दिल्ली, 8. कम्प्यूटर और हिंदी– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 9. कम्प्यूटर के सिद्धांत तथा प्रयोग–डॉ0 जोखनसिंह मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, 11. समाचार, फीचर, लेखन और संपादन कला– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 12. संपादन कला और प्रूफ पठन– डॉ0 हरिमोहन तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 13. हिंदी पत्रकारिता की दिशाएँ– जोगेन्द्रसिंह, सुरेन्द्र कुमार एण्ड संस, विश्वास नगर, शहादरा, दिल्ली–32, 14. रेडियो एवं दूरदर्शन पत्रकारिता– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 15. टेलीविजन समाचार– शकील हसन शमसी, उ0प्र0 हिंदी साहित्य सम्मेलन, 16. रेडियो लेखन–डॉ0 मधुकर गंगाधर, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना, 17. सूचना प्रौद्योगिकी और जन माध्यम– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 18. मीडिया लेखन – डॉ0 रमेशचंद्र त्रिपाठी एवं डॉ0 पवन अग्रवाल, भरत प्रकाशन, लखनऊ, 19. अनुवाद, विज्ञान एवं सम्प्रेषण– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 21. दुभाषिया प्राविधि– डॉ0 सत्यदेव मिश्र, भारत प्रकाशन, लखनऊ, 22. अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग– डॉ0 कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

बी0ए0 तृतीय वर्ष (हिंदी) का नवीन पाठ्यक्रम
(सत्र 2014–2015 से प्रभावी)

द्वितीय प्रश्नपत्र

(क) जनपदीय भाषा साहित्य पूर्णांक : 75

क. गढ़वाली और कुमाउनी भाषा का उद्‌भव और विकास।

ख. गढ़वाली और कुमाउनी में रचित शिष्ट साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।

ग. पाठ्यपुस्तकें : (1) **भारतक भविष्य** (व्याख्या हेतु केवल शब्दकि ताकत, कविताकि पछ्याण, कैथै कूनी महाकाव्य, जीवनक उद्‌देश्य, आपण–बिराण और भारतक भविष्य, पाठ्यक्रम में निर्धारित)– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।

(2) **जनपदीय भाषा–साहित्य,** संपादक : डॉ0 शेरसिंह बिष्ट (कुमाऊँ विश्वविद्यालय) तथा डॉ0 सुरेन्द्र जोशी (गढ़वाल विश्वविद्यालय) प्रकाशक : अंकित प्रकाशन, चंद्रावती कॉलोनी, पीलीकोठी, हल्द्वानी (नैनीताल)।

1. **गढ़वाली रचनाकार** –

    1. तारादत्त गैरोला – सदेई गीत

    2. तोताकृष्ण गैरोला – प्रेमी पथिक (पूर्वार्द्ध के केवल 24 छंद)

    3. जीवानंद श्रीयाल – ढाली–माटी, जागृति

    4. अबोधबंधु बहुगुणा –भूम्याल (औळ)

2. **कुमाउनी रचनाकार** –

1. गौर्दा– हमरो कुमाऊँ, वृक्षन को विलाप

2. शेरदा 'अपनपढ'– को छै तु, चौमासैकि ब्याव, पहाड़ाक हाड़,

3. चारुचंद्र पाण्डे– पुंतुरि, कत्थ हुडुक कत्थ गैण

4. देवकी मेहरा– जागर, मैती मुलुक, ऊँ जंगल काँहुँ गया, सौरासै करिए।

इसी संग्रह में द्रुतपाठ के लिए दो–दो रचनाकार रहेंगे, जिनमें से लघूत्तरी प्रश्न ही पूछे जाएँगे – (1) डॉ0 महावीर प्रसाद गैरोला की दो कविताएँ (2) मोहनलाल नेगी की कहानी 'न्यो

निसाप' (3) गिर्दा की रचना 'उत्तराखण्ड काव्य' के आरम्भिक 15 छंद, तथा (4) चंद्रलाल चौधरी के 'प्यास' की भूमिका का एक अंश।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा–

(1) तीन व्याख्याएँ –	3x 8 = 24 अंक
(1) दो आलोचनात्मक प्रश्न –	2 x 8 = 16 अंक
(1) पाँच लघूत्तरी प्रश्न –	5 x 5 = 25 अंक
(1) दस अतिलघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	10 x 1 = 10 अंक

कुल – 75 अंक

संदर्भ ग्रंथ – 1. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य – डॉ0 हरिदत्त भट्ट 'शैलेश', हिंदी समिति उ0प्र0 शासन, लखनऊ 2. मध्यपहाड़ी का भाषाशास्त्रीय अध्ययन–डॉ0 गोविंद चातक, नई दिली, 3. गढ़वाल में हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास– डॉ0 ब्रह्मदेव शर्मा, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर, 4. कुमाउनी भाषा और उसका साहित्य– डॉ0 त्रिलोचन पाण्डे, हिंदी समिति उ0प्र0 शासन, 5. कुमाउनी भाषा और संस्कृति– डॉ0 केशवदत्त रुवाली, ग्रंथायन, अलीगढ़, 6. कुमाउनी भाषा, साहित्य और संस्कृति– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, श्री अल्मोड़ा बुक डिपो, 7. हिंदी साहित्य को कूर्मांचल की देन– डॉ0 भगतसिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 8. कुमाउनी–हिंदी लोकोक्ति एवं मुहावरा कोश– डॉ0 दीपा काण्डपाल/डॉ0 लता काण्डपाल, अनामिका प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, 9 कूर्मांचल के संस्कार गीत– ललिता पंत, सी–2/31, ईस्ट ऑफ कैलास, नई दिल्ली–32 10. मध्य हिमालयी समाज, संस्कृति एवं पर्यावरण –डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इंडियन पब्लिशर्स डिस्ट्रिब्यूटर्स, 156–डी, कमला नगर दिल्ली–7, 11. म्यर कुमाउँकि एक झलक– नेत्र सिंह रौतेला, शिखरदीप प्रकाशन, 310 मैग्नम हाउस–2, करमपुरा कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली।

अथवा

(ख) उत्तरांचल का हिंदी साहित्य

1. उपन्यास – जहाज का पंछी (छात्र संस्करण)– इलाचंद्र जोशी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2. नाटक – बाँसुरी बजती रही– गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

3. प्रबंधकाव्य – अग्निसागर – डॉ0 श्यामसिंह 'शशि', किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।

4. यात्रा–वृत्तांत– पत्थर और पानी– नेत्रसिंह रावत, संभावना प्रकाशन, रेलवे रोड, हापुड़।

5. पाठ्यपुस्तक : उत्तरांचल का हिंदी साहित्य– डॉ0 मंजुला राणा, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (नैनीताल)।

द्रुत पाठ के लिए चार कहानीकारों, चार कवियों और दो निबंधकारों की रचनाएँ, जिनमें से केवल लघूत्तरी प्रश्न ही पूछे जाएँगे –

रचनाकार : (क) एक–एक कहानी– हरिदत्त भट्ट 'शैलेश', सुभाष पंत, सुरेश उनियाल, धीरेन्द्र अस्थाना। (ख) एक–एक कविता– रत्नांबर दत्त चंदोला, पार्थसारथि डबराल, चारुचंद्र चंदोला, मंगलेश डबराल। (ग) एक–एक निबंध– डॉ0 शिवानंद नौटियाल, यमुनादत्त वैष्णव 'अशोक'।

अंक विभाजन :

(1) तीन व्याख्याएँ –	3x 8 = 24 अंक
(1) दो आलोचनात्मक प्रश्न –	2 x 8 = 16 अंक
(1) पाँच लघूत्तरी प्रश्न –	5 x 5 = 25 अंक
(1) दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	10 x 1 = 10 अंक

– कुल 75 अंक

संदर्भ ग्रंथ : 1. हिंदी भाषा का इतिहास– धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग, 2. हिंदी व्याकरण– कामताप्रसाद गुप्त, 3. हिंदी भाषा (भाग 1–2)– डॉ0 केशवदत्त रुवाली, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा, 4. हिंदी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, 5. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास– डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, 6. हिंदी साहित्यः संक्षिप्त परिचय– डॉ0 लक्ष्मण सिंह बिष्ट 'बटरोही', अल्मोड़ा बुक डिपो,

(प्रो0 एस0एस0 बिष्ट)
अध्यक्ष– हिंदी विभाग
संयोजक
हिंदी पाठ्यक्रम एवं शोध समिति,
कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल